म्हारो रामजी का चरणा मे मन लाग्यो

म्हारो रामजी का चरणा मे मन लाग्यो
मन लाग्यो , म्हारो तन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भावे मने लाडू - पेड़ा , ना कोई माल मिठाई
म्हारो तुलसी - चरणामर्त में मन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भावे मने सोना - चाँदी , हीरा - मोती
म्हारो तुलसी की माला में मन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भावे मने महल - मालियाँ , सौद रजाई
म्हारो रामजी का मंदिर में लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भावे मने भाई - बंधू , ना कोई सागा- सनेही
म्हारो साधु साधु - संता में ही मन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भावे मने तोता - मैना , न कोई और जिनावर
म्हारो गोमाता का चरना में मन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

ना भवे मने बाग - बगीचा , ना कोई सैर सपाटा
म्हारो मथुरा - बृंदावन में मन लाग्यो
म्हारो रामजी का चरणा मे। .....

रचना : शंकर शरण जी महाराज
स्वर : शंकर शरण जी महाराज
पता : हनुमान मंडल (जयपुर- राजस्थान)
फ़ोन :9829125751 , 8118850122

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4246/title/maharo-ram-ji-ka-charna-me-man-lagyo

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |